प्रतियोगिता दर्पण

सिविल सेवा मुख्य परीक्षा

सामान्य अध्ययन-I

विश्व इतिहास

एक समग्र विश्लेषण

अन्य राज्य लोक सेवा आयोग की मुख्य परीक्षाओं के लिए भी उपयोगी

लेखक
सुशांत त्रिवेदी

प्रतियोगिता दर्पण, आगरा

© प्रकाशक

प्रकाशक
प्रतियोगिता दर्पण

हैड ऑफिस
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खंदारी आगरा-मथुरा, बाईपास, आगरा-282 005
रजि. ऑफिस : 2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर (शाह सिनेमा के सामने), **आगरा**—282 002
फोन : 2530966, 2531101
E-mail : care@upkar.in, **Website :** www.upkar.in

ब्रांच ऑफिस
4845, अन्सारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली—110 002
फोन : 011-23251844, 43259035

पारस भवन (प्रथम तल),
खजांची रोड, **पटना**—800 004
फोन : 0612-2303340

16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा, आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड, (यूनियन बैंक के बगल में),
हैदराबाद—500 036 (तेलंगाना)
फोन : 040-24557283

8-310/1, ए. के. हाउस,
हीरानगर, **हल्द्वानी,**
जिला—नैनीताल—263139 (उत्तराखण्ड)
मोबा. : 7060421008

- *इस पुस्तक को प्रकाशित करने में प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है, फिर भी किसी त्रुटि के लिए प्रकाशक जिम्मेदार नहीं होगा.*
- *इस पुस्तक को अथवा इसके किसी अंश को बिना प्रकाशक की लिखित अनुमति के, किसी भी रूप-फोटोग्राफी, विद्युत-ग्राफिक, यान्त्रिकी अथवा अन्य रूप में किसी भी प्रकार से उपयोग के लिए नहीं छापा जा सकता है.*
- *किसी भी परिवाद के लिए न्यायिक क्षेत्र केवल आगरा ही होगा.*

ISBN : 978-93-91068-76-9

Code No. 855

मुद्रक : प्रतियोगिता दर्पण, (प्रिंटिंग यूनिट) बाई-पास, आगरा

भूमिका

बहुत लम्बे समय तक अध्ययन और अध्यापन के बाद मुझे इस बात का गहरा अहसास हुआ कि विश्व इतिहास की पुस्तकों में एक अलग विभाजन है. व्यापक शोध और शैक्षणिक अनुभव वाली एक पुस्तक विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम का हिस्सा है, लेकिन विशेष रूप से प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए बनाई गई एक पुस्तक भी है. पुस्तकों की पहली श्रेणी भाषा की जटिलता, ऐतिहासिक संकेतों की मात्रा, लेखक के दृष्टिकोण और इतिहास लेखन की अंतर्निहित जटिलताओं के कारण उम्मीदवारों के लिए चुनौतियाँ प्रस्तुत करती है, जबकि दूसरी श्रेणी की पुस्तकें सरलता की आड़ में अर्थहीन जानकारी प्रस्तुत करती हैं. परिणामस्वरूप, मेरी पहली लेखन चुनौती यह थी कि विषय की गम्भीरता और अकादमिक क्षमता से समझौता किए बिना सीधे और समझने योग्य तरीके से एक परीक्षा-अनुकूल पुस्तक कैसे लिखी जाए.

मैंने कुछ ऐसे स्रोतों की ओर रुख किया है, जो इस चुनौती से पार पाने के लिए आपकी यात्रा को आसान बना देंगे. भाषा विषय पर हावी न हो, इसके लिए भाषायी प्रवाह को पाठ के महत्व के अनुरूप समायोजित किया गया है. इस तरह आपकी इस पुस्तक तक पहुँच आसान हो जाएगी. फिर आप उन ऐतिहासिक संदर्भों और इतिहास लेखन की बारीकियों से अवगत नहीं हुए हैं, जहाँ आपके उत्तर-लेखन में केवल लोकप्रिय पाठ को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करने के लिए ऐसा करना आवश्यक था.

इस पुस्तक को लिखने में दूसरी महत्वपूर्ण कठिनाई यह सुनिश्चित करना था कि इसका आकार इतना न बढ़ जाए कि पूरे पाठ्यक्रम को कवर करने की आवश्यकता के कारण इसे पढ़ना मुश्किल हो जाए. बाजार में ऐसी अनेक पुस्तकें उपलब्ध हैं, जो इतनी विस्तृत हैं कि हर चीज को कवर करने की असम्भव जिद के कारण उन्हें परीक्षा के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता है.

सभी महत्वपूर्ण मुद्दों को शामिल करने के लिए वर्ष 2011 के बाद पूछे गए प्रश्नों और आसानी से उपलब्ध मानक पुस्तकों को आधार बनाया गया. कई स्तरों की श्रम साध्य सहमति और असहमति के बाद ही सामग्री पर निर्णय लिया जा सकता था और पाठ की रूपरेखा बनाई जा सकती थी. इस वजह से पुस्तक में कुछ विषयों के बारे में बहुत विस्तार से लिखा गया है, जबकि अन्य पर केवल संक्षेप में चर्चा की गई है. दरअसल विषय की सार्थकता पर जोर देने के लिए यह भेद जानबूझ कर किया गया है, जो विषय परीक्षा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण हैं, उन्हें पर्याप्त विस्तार से लिखा गया है और जो महत्वपूर्ण नहीं हैं, लेकिन सुसंगतता के लिए उन्हें कवर किया जाना चाहिए, उन्हें संक्षेप में लिखा गया है.

इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण कारक तथ्यों की सत्यता है. गलत जानकारी अध्ययन की सौंदर्यात्मक अपील को खराब करती है और इसकी विश्वसनीयता को कम करती है. इस वजह से पेशेवरों के एक बड़े समूह ने पुस्तक के तथ्यों की कई बार दोबारा जाँच की. विषय पर सूचनाओं का अत्यधिक बोझ होने से बचाने के लिए तथ्यों की मात्रा भी विषय की आवश्यकताओं के अनुरूप रखी गई है. यह पुस्तक मुख्य रूप से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले उम्मीदवारों के लिए है, लेकिन यह विश्व इतिहास और विश्वविद्यालय के छात्रों में रुचि रखने वाले पाठकों के लिए भी उपयोगी होगी.

हम आपके सम्मुख यह पुस्तक प्रस्तुत कर रहे हैं. आपकी टिप्पणियाँ मेरे लेखकत्व को और भी अधिक बढ़ाएंगी. हम आपसे सुझावों की भी उम्मीद रखेंगे. कृपया इसे पढ़ें और अपने विचार हमारे साथ साझा करें. आपका प्रोत्साहन हमारे उत्साह को बढ़ाएगा और आपकी आलोचना हमें विचार करने के लिए प्रेरित करेगी.

—सुशांत त्रिवेदी

विषय-सूची

1. पुनर्जागरण, धर्म सुधार एवं वाणिज्यवाद 3–10
2. प्रबोधन एवं आधुनिक विचार 11–16
3A. अमरीकी क्रांति 17–22
3B. अमरीकी गृह युद्ध और गुलामी के उन्मूलन में लिंकन की भूमिका 23–29
4. फ्रांसीसी क्रान्ति : कारण एवं परिणाम 30–38
5. वियना कांग्रेस और मैटरनिख 39–42
6. इंगलैण्ड में चार्टिस्ट आन्दोलन 43–46
7. औद्योगिक क्रांति 47–51
8. इटली का एकीकरण 52–57
9. जर्मनी का एकीकरण और बिस्मार्क 58–63
10. क्रीमिया युद्ध और पूर्वी समस्या 64–67
11. साम्राज्यवाद एवं उपनिवेशवाद 68–76
12. 19वीं सदी की यूरोपीय क्रांतियाँ 77–81
13. रूसी क्रांति 82–89
14. इटली में फासीवाद 90–93
15. जर्मनी में नाजीवाद 94–96
16. चीनी साम्यवादी क्रांति 97–99
17. प्रथम एवं द्वितीय विश्व युद्ध 100–111
18. विश्वव्यापी आर्थिक मंदी 112–114
19. द्वितीय विश्व युद्ध के बाद का विश्व 115–135
20. औपनिवेशिक शासन का अंत 136–147
21. विकास की चुनौतियाँ और विऔपनिवेशीकरण 148–150
22. यूरोप का विलय 151–156
23. एकध्रुवीय दुनिया और सोवियत संघ का विघटन 157–160